ऑनलाइन गेमिंग, कसीनो पर 28% जी.एस.टी. लगेगी

नई दिल्ली, 11 जुलाई (वार्ता)। गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जी.एस.टी.) परिषद ने चार वस्तुओं पर जी.एस.टी.को कम करने के साथ ही कैंसर के लिए उपयोगी दवायें एवं खाने की वस्तुओं एवं निजी कंपनियों द्वारा उपग्रह प्रक्षेपण सेवाओं को भी जी.एस.टी. से मुक्त कर दिया है जबकि कसिनो, हॉर्स रेस के साथ ही ऑनलाइन

- **वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जी.एस.टी. काउन्सिल की 50वीं बैठक के बाद यह जानकारी दी**

गेमिंग पर 28 प्रतिशत जी.एस.टी. लगा दिया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने परिषद की 50वीं बैठक के बाद यहां संवाददाता सम्मेलन में ये जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अनकुक्ड और अनफ्रायड स्नैक्स पर जी.एस.टी. को 18 प्रतिशत से कम कर 5 प्रतिशत किया गया है। इसी तरह से फिश सॉल्युब्ल पेस्ट पर भी जी.एस.टी. को 18 प्रतिशत से पांच प्रतिशत कर दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने ई.डी के निदेशक के एक्सटैंशन पर रोक लगाई

सुप्रीम कोर्ट ने निदेशक संजय मिश्रा को केवल 31 जुलाई तक पद पर बने रहने की अनुमति दी है

नई दिल्ली, 11 जुलाई (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) के निदेशक संजय मिश्रा का कार्यकाल विस्तार रद्द कर दिया, लेकिन 31 जुलाई 2023 तक उनके वर्तमान पद पर बने रहने की अनुमति दे दी।

न्यायमूर्ति बी.आर. गवई, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संजय करोल की पीठ ने शीर्ष अदालत के 2021 के एक फैसले (डॉ. जया ठाकुर बनाम भारत सरकार एवं अन्य) का उल्लंघन बताते हुए मिश्रा के कार्यकाल विस्तार को रद्द करने का फैसला सुनाया।

शीर्ष अदालत ने 2021 में एक परमादेश जारी कर मिश्रा को नवंबर 2021 से आगे बतौर निदेशक कार्यकाल विस्तार देने पर रोक लगायी

- **सुप्रीम कोर्ट ने एन.जी.ओ. ''कॉमन कॉज़'' एवं अन्य की याचिका सुनवाई पूरी होने के बाद अपना फैसला सुनाया।**

थी। इसी फैसले को आधार बनाते हुए शीर्ष अदालत ने उनके कार्यकाल विस्तार पर रोक लगाई।

न्यायमूर्ति गवई की अध्यक्षता वाली इस तीन सदस्य पीठ ने विधायिका द्वारा केंद्रीय सतर्कता आयोग (सी.वी.सी.) अधिनियम में किए गए संशोधनों को कानून सम्मत बताते हुए बरकरार रखा। संशोधनों के बाद केंद्र सरकार को ई.डी. निदेशक का कार्यकाल पांच साल तक बढ़ाने का अधिकार है। शीर्ष अदालत ने स्वयंसेवी संस्था कॉमन कॉज एवं अन्य की याचिका सुनवाई पूरी होने के बाद अपना फैसला सुनाया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ई.डी. निदेशक के कार्यकाल विस्तार पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर हमलावर विपक्ष पर पलटवार किया है। शाह ने मंगलवार शाम को ट्वीट करके कहा कि ई.डी. के मामले पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर खुशी मनाने वाले कई कारणों से भ्रमित हैं। दरअसल, कांग्रेस ने ई.डी. प्रमुख संजय कुमार मिश्रा के तीसरे सेवा विस्तार को अवैध करार देने के बाद कहा कि यह सरकार के मुंह पर तमाचा है। पार्टी के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने आरोप भी लगाया कि सरकार का यही मकसद था कि, ई.डी. निदेशक को गैरकानूनी तरीकों से सर्विस विस्तार दिया जाए। अमित शाह ने कांग्रेस नेताओं के इस तरह के बयानों का जवाब दिया है। शाह ने एक तरीके से विपक्ष को याद दिलाते हुए कहा कि,

1-सी.वी.सी. अधिनियम में जो संशोधन संसद की ओर से विधिवत पारित किया गया था, उसे बरकरार रखा गया है।

2. भ्रष्ट और कानून के गलत पक्ष के साथ खड़े होने वालों पर कार्रवाई करने की ई.डी. की शक्तियां पहले की तरह ही रहेंगी।

3. ई.डी. एक ऐसी संस्था है जो किसी एक व्यक्ति से ऊपर है और इसका फोकस अपने मुख्य उद्देश्य पर है। जैसे कि मनी लॉन्ड्रिंग के अपराधों और विदेशी मुद्रा कानूनों के उल्लंघन की जांच करना है।

गोल्डमैन सैक्स ने फिर अपनी आर्थिक भविष्यवाणी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विकास के रास्ते पर आगे बढ़ने के लिए सब कुछ होते हुए भी देश गिरावट के चंगुल में फंस गया।

अपने साम्राज्यवाद के सपने को पूरा करने और आधी दुनिया पास में होने के बावजूद छोटे-छोटे देशों पर कब्जा करने के प्रयास में रूस ने विनाश का मार्ग अपना लिया। आज की वास्तविकता के विपरीत उनके पास सब कुछ था, मानव शक्ति, अपार संसाधन, जो किसी बड़ी अर्थव्यवस्था से ज्यादा थे। लेकिन फिर भी उसके राजनैतिक नेतृत्व ने उसे संकट में डाल दिया।

अगले स्थान पर चीन है पिछले लगभग साढ़े तीन दशक से उसकी उपलब्धियां उल्लेखनीय रही है। कोई देश अपनी विशाल गरीब जनसंख्या को इतना ऊपर नहीं उठा सका जितना विकास चीन ने किया।

चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था को एक गलत राजनैतिक प्रचार- ''माओत्से तुंग की सांस्कृतिक क्रांति'' से ऊपर उठाया जब जनता भूख और मौत के भीषण तांडव से त्रस्त हो चुकी थी। पुराने दमनकारी शासन के विपरीत उदार नीतियों से देंग सिआओ पिंग ने देश की सूरत ही बदल दी।

आज उदारीकरण के चालीस वर्ष बाद चीन विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अनुमान है कि 80 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं और आज दुनिया की कोई कंपनी चीन के बाजार के आकार को देखते हुए उसकी अनदेखी नहीं कर सकती।

आमूलचूल आर्थिक सुधारों के अलावा देंग ने राजनैतिक एवं संस्थागत सुधार भी किए जिनमें प्रमुख था, अधिकारवादी नियंत्रण से संस्थागत शासन की और मुड़ना। देंग पहले देख चुके थे कि कैसे अधिनायकवाद ने देश को बर्बाद कर दिया।

देंग ने शीर्ष पर सामूहिक शासन आरंभ किया ताकि एकाधिकार खत्म हो सके और सामूहिक निर्णय हो सके।

इसके साथ ही देंग ने शीर्षस्थ स्तर पर निर्धारित कार्यकाल का नियम लागू किया जिसके अनुसार चीन के राष्ट्रपति के 5-5 साल के दो कार्यकाल ही हो सकते थे।

चीन के वर्तमान नेता और राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने यह नियम समाप्त कर अपना कार्यकाल आजीवन कर लिया है। उन्होंने खुद को चाटुकारों से घेर लिया है ताकि उनकी गलती पर कोई अंगुली नहीं उठाए।

चीन और रूस में विचित्र समानताएं हैं और दोनों के प्रमुख एक से रास्ते पर चल रहे है। दोनों ने हर तरीके से आजीवन सत्ता की व्यवस्था कर ली है और संस्थागत ढांचे को नष्ट कर दिया है।

इससे बढ़कर दोनों ही पुराने गौरव और सामंतवादी सपनों में डूबे हैं। रूस के नेता तो पीटर द ग्रेट की तरह पूर्वी यूरोप में विशाल साम्राज्य का सपना देख रहे हैं।

चीन का तानाशाह हमेशा चीन के गौरव और नियमों को प्रसारित करने की बात करता है।

शी के अनुसार चीन की सीमा उसके ऐतिहासिक साम्राज्य से आगे जापान, कोरिया और पूरे दक्षिण पूर्व एशिया तक फैली है और दक्षिण चीन सागर को चीन अपनी सीमा में बता रहा है।

शी की महत्वाकांक्षा वहीं समाप्त नहीं हुई, वह भारत के भी कई भागों पर दावा करता है। शी रूस से मुकाबला करते हैं, जो कज़ाकिस्तान, तुर्कमेकिस्तान और सोवियत गणराज्य के अन्य देशों पर अपना प्रभुत्व मानता है।

यूक्रेन हमले से पूर्व रूस और चीन ने स्वयं को श्रेष्ठ मित्र घोषित किया लेकिन अब दोनों में तलवारें खिंच सकती हैं। रूस, चीन से लगे उत्तर पूर्वी एशियाई देशों पर कब्जा चाहता है जबकि चीन व्लादीवोस्तोक को अपना बताता है।

चीन अपने सभी 14 पड़ोसियों से सीमा के झगड़े आरंभ कर चुका है। इसकी सबसे लम्बी अंतर्राष्ट्रीय सीमा है, करीब 24 हजार किलोमीटर और वह दुनिया के समुद्रों पर भी दावा करता है।

चीन का हश्र भी उसके श्रेष्ठ मित्र रूस जैसा होने वाला है उसकी विशाल अर्थव्यवस्था बिखर रही है। तकनीकी उद्यम भी नष्ट हो रहे हैं। वह विदेशी निवेशकों को कम्युनिस्ट पार्टी के नियमों में बांधना चाहता है।

2075 में भारत पहले या दूसरे स्थान पर होगा और अमेरिका उसके नज़दीक आने का प्रयास करेगा।

इस साल के आर्थिक परिणाम कोविड से पहले वाली स्थिति का संकेत दे रहे है। अगर कोविड नहीं होता तो हम और ऊर पहुंचते।

उम्मीद है गोल्डमैन सैक्स का पूर्वानुमान सही सिद्ध होगा।

बैंगलुरु में पूर्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकर एयरोनिक्स ऑफिस के अंदर घुसा। वहां पर उसने फणीन्द्र सुब्रमण्या और वीनू कुमार की हत्या की और वहां से फरार हो गया।

घटना के बाद ऑफिस के अंदर कोहराम मच गया। आनन-फानन में फणीन्द्र सुब्रमण्या और वीनू को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी। घटना अमृताहल्ली के पंपा एक्सटैंशन में स्थित ऑफिस में हुई। घटना के तत्काल बाद अमृताहल्ली पुलिस मौके पर पहुंच गई। इसके अलावा डॉग स्क्वॉड और फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट भी घटनास्थल पर पहुंचे और सबूत जुटाने शुरू कर दिए। मृतकों का शव मणिपाल अस्पताल भेजा गया है। वहीं, नॉर्थ ईस्ट बेंगलुरु के डी.सी.पी. लक्ष्मी प्रसाद ने कहा कि आरोपी फिलहाल फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है और जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

स्कूली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर चाकू, पत्थर और ज्वलनशील पदार्थ फेंकने का मामला सामने आया है। ज्वलनशील पदार्थ से 4 छात्राएं झुलस गई। छात्राओं को महुआ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्राथमिक उपचार कर मांडलगढ़ रैफर किया गया। महुआ के महात्मा गांधी विद्यालय की प्रिंसिपल विमला देवी ने बताया कि स्कूल में कक्षा 6 में बालिकाएं पढ़ रही थी। इस दौरान कमरे की खिड़की में से शरारती तत्वों ने पहले चाकू व पत्थर फैंके। थोड़ी देर बाद ज्वलनशील पदार्थ फैंका। इस घटना में साक्षी कंवर, निशा जैन, गुंजन कंवर व क्षमा जैन झुलस गई। घटना की सूचना पर छात्राओं के अभिभावक स्कूल पहुँचे व हंगामा करने लगे। मांडलगढ़ अस्पताल में चारों छात्राओं को चिकित्सकों ने भर्ती कर उपचार शुरू किया। घटना की सूचना पर माण्डलगढ़ से उपखण्ड अधिकारी महेश गगोरिया, पुलिस उप अधीक्षक कीर्ति सिंह, थाना प्रभारी मनोज जाट मौक़े पर पहुँचे। बताया जा रहा है कि स्कूल के कमरे की खिड़की की तरफ कुछ गाडोलिया लुहार परिवारों ने अतिक्रमण कर रखा हैं। शरारती लड़के आए दिन यहां उत्पात मचाते रहते हैं। मांडलगढ़ थाना प्रभारी मनोज जाट ने बताया कि घटना की जांच की जा रही हैं। भीलवाड़ा व कोटा से आई एफ.एस.एल. टीम ने मौक़े से तरल पदार्थ के सैम्पल लिए हैं।

''अमृत काल'' ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकर चुनाव में उतरी थी। राहुल गांधी एवं कांग्रेस के ''मुहब्बत की दुकान'' नारे पर फोकस के चलते, भाजपा के थिंकटैंक को 2004 की स्थिति की संभावित पुनरावृत्ति की आशंका हो गई है। इस सम्बंध में भाजपा की चिन्ताएं हाल ही में पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के बयान में नजर आईं, जिन्होंने राहुल पर ''मुहब्बत की दुकान न चलाने'' का आरोप लगाया। भाजपा के कुछ लोग ऐसा महसूस करते हैं कि नड्डा का बयान अनावश्यक था, क्योंकि इस बयान से कांग्रेस के इस नारे का महत्व एवं प्रभाव को जनता के स्मृति -पटल पर ला दिया। भारत जोड़ो यात्रा के सम्पन्न होने के बाद, राहुल गांधी ''आम जनता के व्यक्ति'' के रुप में देखे जाने लगे हैं। और अब तो वे हरियाणा में किसानों के साथ धान की फसल को रोपते हुये और दिखाई दे गये हैं। कभी वे दिल्ली के मोटर साइकल मैकेनिकों के इस काम एवं धंधे की बारीकियां सीखते भी नजर आयें हैं। जहाँ ''अमृत काल'' शब्द युग्म यह संदेश देता है कि देश के विकास का लक्ष्य प्राप्त हो चुका है, वहीं ''कर्तव्य काल'' की शब्दावली यह धीर गंभीर संदेश देती प्रतीत होती है कि देश के विकास के लिये देशवासियों को काम करने की जरुरत है जिससे देश 2047 में वर्ल्ड ली डर के रुप में उभर कर आ सके।

रोचक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अच्छी खासी मात्रा एवं अनुपात में धन कमाया है।

मंत्रीगण एक-दूसरे के साथ नियमित रूप से कहीं ज्यादा समय ताश जैसे खेलों में गुजारते रहते हैं तथा उनके पास मंत्रालय के कार्यों, यहाँ तक कि अपने दफ्तर में बैठने के लिये भी समय प्रायः नहीं होता है। उन्होंने सामूहिक रूप से ऐसे इलाकों में बड़ी-बड़ी जमीनें खरीद रखी हैं, जो जिले बनाये जाने वाले थे, जिससे कि उन जमीनों की कीमतें अनाप-शनाप बढ़ जायें और उनकी मोटी कमाई हो जाये।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा, ''कर्नाटक में भाजपा सरकार की जो छवि थी, राजस्थान में गहलोत सरकार की छवि भी वैसी ही या उससे बदतर ही है।

दिलचस्प बात यह है कि राज्य में फैले इस जबरदस्त एवं खुले भ्रष्टाचार के बावजूद, भाजपा इसे मुद्दे के रूप में उठाकर, जनता तक क्यों नहीं ले जा रही है। दोनों ही पक्षों में यह पारस्परिक समझबूझ बन चुकी है कि विधानसभा में हमारी कलई मत खोलिये, हम लोकसभा सीटें जीतने में आपकी पूरी मदद करेंगे।

खेतड़ी ट्रस्ट को ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विकास महाजन की खंडपीठ ने यह आदेश खेतड़ी ट्रस्ट की अपील पर दिए। ट्रस्ट की ओर से कहा गया है कि खंडपीठ ने आदेश में स्पष्ट किया कि एकलपीठ ने मामले में गलत फैसला दिया था, क्योंकि वर्ष 1985 में वसीयत जमा कराने के दौरान एक गवाह ने तीस हजारी कोर्ट के रजिस्ट्रार के समक्ष ही राजा राय बहादुर सिंह की पहचान की थी।

मामले के अनुसार राजा राय बहादुर सरदार सिंह खेतड़ी के 11वें शासक थे। उन्होंने विदेश में पढ़ाई की और राज्य सभा सांसद सहित अन्य महत्वपूर्ण पदों पर रहे। वे लाओस में भारत के राजदूत भी थे। सरदार सिंह की वर्ष 1987 में मृत्यु होने के साथ ही उनकी वसीयत का विवाद शुरू हुआ। वहीं राजस्थान सरकार ने भी उनके कोई संतान नहीं होने के चलते उनकी संपत्तियों को लावारिस मानते हुए राजस्थान एस्चीट्स रेगुलेशन एक्ट,1956 के तहत कब्जा ले लिया। इन संपत्तियों पर कब्जा कर सार संभाल के लिए रिसीवर भी नियुक्त कर दिया। खेतड़ी ट्रस्ट का दावा है कि सरदार सिंह ने 1985 में वसीयत की थी। इसमें शिक्षा अनुसंधान कार्यों के लिए सारी प्रॉपर्टी को ट्रस्ट के पक्ष में देने के लिए कहा था। हालांकि दिल्ली हाईकोर्ट ने 2012 में ट्रस्ट के खिलाफ फैसला देते हुए वसीयत नामे की कानूनी वैधता पर सवाल उठाए थे।

शरद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के घोटाले के आरोप हैं जिनमें महाराष्ट्र कोऑपरेटिव बैंक घोटाला, सिंचाई घोटाला और अवैध खनन घोटाला शामिल है।

2016 में एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि गुजरात की राजनीति के आरंभिक दिनों में शरद पवार ने उनका हाथ थामा था।

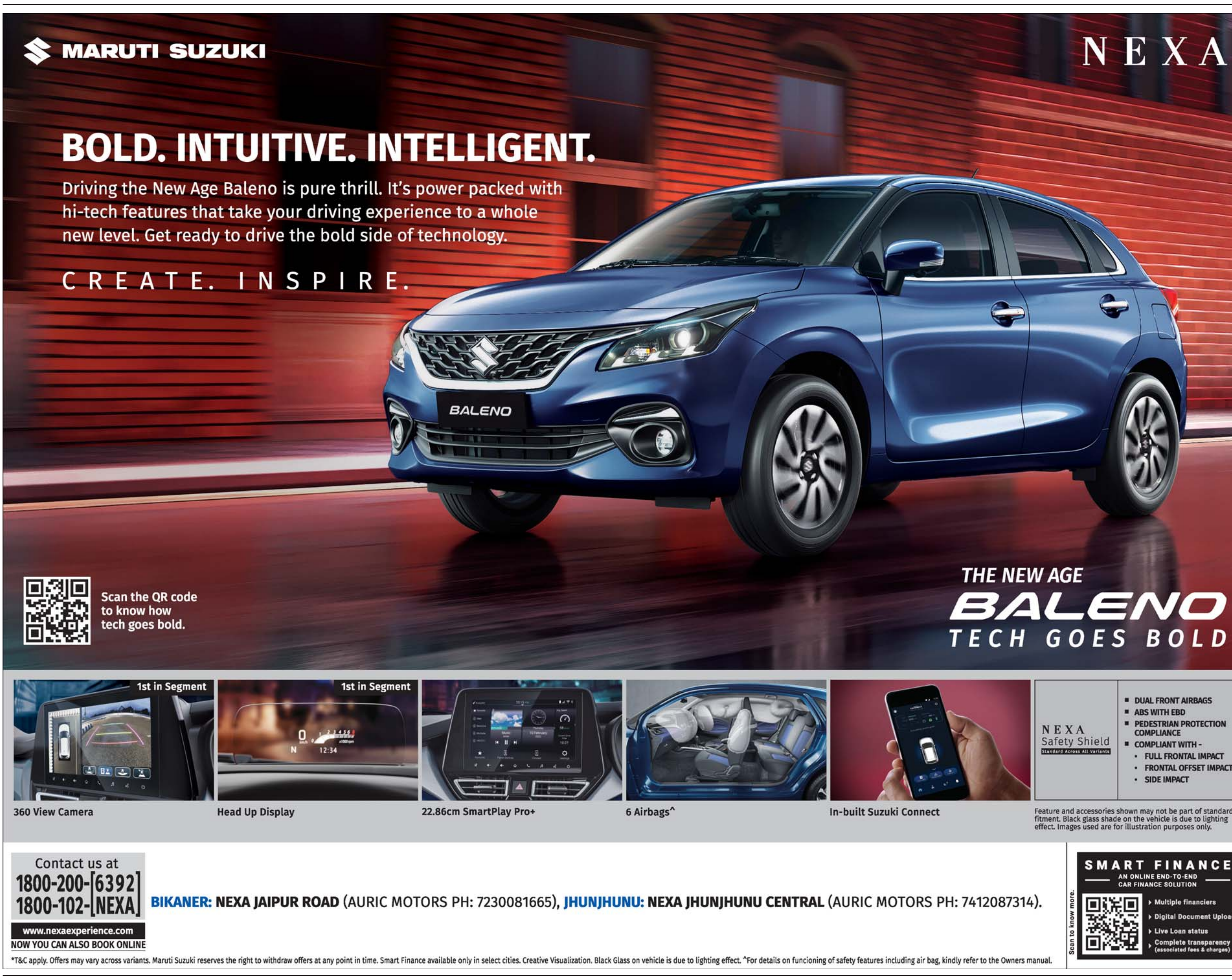

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600